यूपलेक्स ने कार्बन न्यूट्रैलिटी हासिल करने के लिए क्रेड्यूस के साथ की साझेदारी

गुड़गांव टुडे, नोएडा। भारत को 2070 तक देश को कार्बन नेट जीरो बनाने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता से देश का कॉरपोरेट नेतृत्व बहुत उत्साहित है।

इस संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, अपने-अपने क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी दो कंपनियों ने इस सपने को साकार करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

यूपलेक्स में फ्लेक्सिबल्स पैकेजिंग बिजनेस के प्रेसिडेंट जीवराज पिल्लई का कहना है, हम हमेशा अपने समूह को स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध थे, हम पूरे समूह में वर्ष 2024 के अंत तक लगभग 175,000 टन कार्बन उत्सर्जन के बराबर कटौती करना चाहते हैं।

यूपलेक्स के महाप्रबंधक- एचआर एवं सस्टेनेबिलिटी, मानस कुमार सरकार कहते हैं, सामाजिक पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी पिछले कुछ समय से हमारे मुख्य संगठनात्मक मूल्यों में से एक रहा है और हमने हमेशा अपने कामकाज के सभी क्षेत्रों में इसे व्यक्त और आत्मसात किया है।

क्रेड्यूस के निर्देशक शैलेंद्र सिंह राव कहते हैं, क्रेड्यूस में हम यूपलेक्स जैसे संगठनों के बीच कार्बन क्रेडिट अर्जित करने की अपार संभावनाएं देखते हैं। हम नेट जीरो कार्बन फुटप्रिंट की दिशा में एक रणनीति बनाने में सक्षम होंगे।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच-पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।